Shree Hanuman Chalisa Paath

Hanuman Chalisa

हनुमान चालीसा

Rajkumari Digital Edition

www.rajkumaridigital.com

Hanuman Chalisa

हनुमान चालीसा

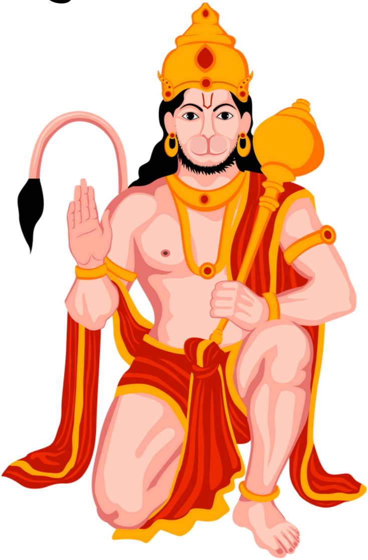

Rajkumari Digital Edition
राजकुमारी डिजिटल संस्करण

DOHA (मंगलाचरण)

श्रीगुरु चरन सरोज रज,
निज मन मुकुरु सुधारि ।
बरनउँ रघुबर बिमल जसु,
जो दायक फल चारि ॥

SHRI GURU CHARAN SAROJ RAJ
NIJ MANU MUKURU SUDHAARI
BARANAU RAGUBARA BIMAL JAS
JO DAYAK PHAL CHAARI

अपने मनरूपी दर्पण को पवित्र करके, मैं श्रीरामचन्द्रजी के निष्कलंक यश का वर्णन करता हूँ, जो चारों फल (धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष) देने वाला है।

MEANING : AFTER CLEANING THE MIRROR OF MY HEART WITH THE DUST OF THE HOLY GURU'S LOTUS FEET, I SING THE PURE GLORY OF THE BEST OF THE RAGHUS, WHICH PROVIDES DHARMA, ARTHA, KAMA AND MOKSHA.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

बुद्धिहीन तनु जानिके,
सुमिरौं पवन-कुमार।
बल बुद्धि विद्या देहु मोहिं,
हरहु कलेस विकार॥ 2 ॥

BUDDHI HEEN TANU JAANIKAI
SUMIRAU PAVANA-KUMAAR
BAL BUDDHI VIDYA DEHU MOHI
HARAHU KALESA VIKAAR

अर्थ - हे पवनपुत्र हनुमान! मैं बुद्धिहीन हूँ, इसलिए आपका स्मरण करता हूँ। कृपया मुझे बल, बुद्धि और विद्या दीजिए तथा मेरे दुख और दोषों का नाश कीजिए।

MEANING :- O HANUMAN, SON OF THE WIND! KNOWING MYSELF TO BE UNINTELLIGENT, I REMEMBER YOU. PLEASE GRANT ME STRENGTH, WISDOM, AND KNOWLEDGE, AND REMOVE MY SORROWS AND DEFECTS.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

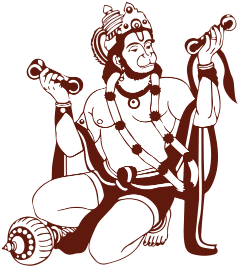

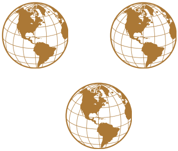

॥ चौपाई ॥

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर।
जय कपीस तिहुँ लोक उजागर॥
॥ 3 ॥

JAI HANUMAN GYAAN GUN SAAGAR
JAI KAPEES TIHU LOK UJAAGAR

जय हो हनुमानजी, जो ज्ञान और गुणों के सागर हैं। जय हो कपियों के ईश्वर, जिनकी ख्याति तीनों लोकों में फैली हुई है।

VICTORY TO HANUMAN, THE OCEAN OF KNOWLEDGE AND VIRTUE. VICTORY TO THE KING OF MONKEYS, WHO IS RENOWNED IN ALL THREE WORLDS.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

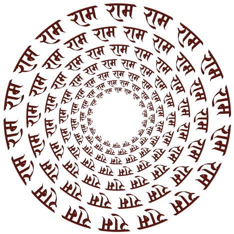

राम दूत अतुलित बल धामा।
अंजनि-पुत्र पवनसुत नामा॥
॥ 4॥

RAAM DOOT ATULIT BAL DHAAMA
ANJANI-PUTRA PAVANA-SUTA NAAMA

आप श्रीराम के दूत, अपार बल के भंडार और अंजनीपुत्र पवनसुत कहलाते हैं।

YOU ARE THE MESSENGER OF LORD RAM AND THE ABODE OF IMMENSE STRENGTH, KNOWN AS THE SON OF ANJANA AND THE SON OF THE WIND.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

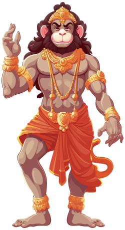

महाबीर बिक्रम बजरंगी।
कुमति निवार सुमति के संगी॥
॥ 5॥

MAHA-BEER BIKRAM BAJARANGI
KUMATI NIVAR SUMATI KE SANGI

महावीर! आप अत्यंत पराक्रमी और बलशाली हैं। आप बुरी बुद्धि का नाश करते हैं और शुभ बुद्धि के सहचर हैं।

O GREAT HERO, MIGHTY AS A THUNDERBOLT! YOU DESTROY EVIL THOUGHTS AND ARE THE COMPANION OF GOOD SENSE AND WISDOM.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

कंचन बरन बिराज सुबेसा।
कानन कुंडल कुंचित केसा॥
॥ 6॥

KANCHAN BARAN BIRAJ SUBESA
KAANAN KUNDAL KUNCHIT KESA

शरीर स्वर्ण के समान चमकदार है। आप सुंदर वस्त्र पहने, कानों में कुंडल और घुँघराले केशों से सुशोभित हैं।

WITH A GOLDEN COMPLEXION, YOU ARE BEAUTIFULLY DRESSED, WEARING EARRINGS AND CURLY HAIR.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

हाथ बज्र औ ध्वजा बिराजै।
काँधे मूँज जनेऊ साजै॥
॥ 7॥

HAATH BAJRA AU DHWAJA BIRAAJE
KAANDHE MUNJ JANEU SAAJE

हाथ में वज्र और ध्वजा शोभा पाते हैं। आपके कंधे पर जनेऊ सुशोभित है।

YOU HOLD A THUNDERBOLT AND A FLAG IN YOUR HANDS, AND WEAR THE SACRED THREAD ACROSS YOUR SHOULDER.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

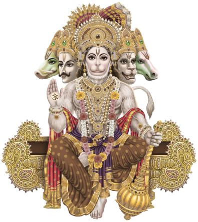

शंकर सुवन केसरी नंदन।
तेज प्रताप महा जग वंदन॥
॥ 8॥

SHANKAR SUVAN KESARI NANDAN
TEJ PRATAP MAHA JAG BANDAN

आप शिव के अवतार और केसरी नंदन हैं। आपके तेज और पराक्रम की जगत में वंदना होती है।

YOU ARE THE INCARNATION OF LORD SHIVA AND THE SON OF KESARI. YOUR GLORY AND POWER ARE REVERED ACROSS THE WORLD.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

विद्यावान गुनी अति चातुर।
राम काज करिबे को आतुर॥
॥ 9॥

VIDYAVAAN GUNI ATI CHAATUR
RAAM KAAJ KARIBE KO AATUR

आप विद्वान, गुणवान और अत्यंत बुद्धिमान हैं। आप सदैव श्रीराम के कार्य करने को तत्पर रहते हैं।

YOU ARE KNOWLEDGEABLE, VIRTUOUS, AND VERY CLEVER. YOU ARE ALWAYS EAGER TO PERFORM THE TASKS OF LORD RAM.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया।
राम लखन सीता मन बसिया॥
॥ 10 ॥

PRABHU CHARITRA SUNIBE KO RASIYA
RAAM LAKHAN SEETA MAN BASIYA

आप श्रीराम के चरित्रों का रसपूर्वक श्रवण करते हैं और राम, लक्ष्मण तथा सीता के हृदय में बसते हैं।

MEANING (IN ENGLISH): YOU DELIGHT IN LISTENING TO THE STORIES OF LORD RAM, AND YOU DWELL IN THE HEARTS OF RAM, LAKSHMAN, AND SITA.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा।
बिकट रूप धरि लंक जरावा॥
॥ 11 ॥

SUKSHMA ROOP DHARI SIYAHIN DIKHAAWA
BIKAT ROOP DHARI LANK JARAAWA

सीता माता को आश्वासन देने के लिए छोटा रूप धारण किया और लंका जलाने के लिए भयानक रूप लिया।

YOU ASSUMED A SMALL FORM TO REASSURE SITA, AND A TERRIFYING FORM TO BURN LANKA.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

भीम रूप धरि असुर सँहारे।
रामचंद्र के काज सँवारे॥
॥ 12 ॥

BHEEM ROOP DHARI ASUR SANHARE
RAAM CHANDRA KE KAAJ SANVARE

भयंकर रूप धारण कर असुरों का नाश किया और रामचंद्रजी के कार्य सिद्ध किए।

TAKING A FORMIDABLE FORM, YOU DESTROYED DEMONS AND FULFILLED LORD RAM'S MISSION.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

लाय सजीवन लखन जियाए।
श्रीरघुबीर हरषि उर लाए॥
॥ 13 ॥

LAYE SAJEEVAN LAKHAN JIYAAE
SHRI RAGHUBEER HARASHI UR LAAE

आपने संजीवनी बूटी लाकर लक्ष्मणजी को जीवित किया। श्रीराम ने प्रसन्न होकर आपको गले लगाया।

YOU BROUGHT THE SANJIVANI HERB AND REVIVED LAKSHMAN, AND LORD RAM JOYFULLY EMBRACED YOU.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई।
तुम मम प्रिय भरत-सम भाई॥
॥ 14 ॥

RAGHUPATI KEENHI BAHUT BADAAI
TUM MAM PRIYA BHARAT-SAM BHAI

श्रीराम ने आपकी बहुत प्रशंसा की और आपको अपना भाई भरत के समान प्रिय बताया।

LORD RAM PRAISED YOU GREATLY AND DECLARED YOU AS DEAR TO HIM AS HIS BROTHER BHARAT.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

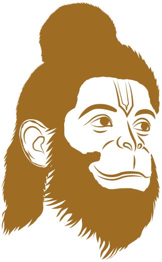

सहस बदन तुम्हरो जस गावैं।
अस कहि श्रीपति कंठ लगावैं॥
॥ 15 ॥

SAHAS BADAN TUMHRO JAS GAAVAI
AS KAHI SHRIPATI KANTH LAGAAVAI

सहस्र मुख वाले शेषनाग भी आपका यश गाते हैं। ऐसा कहकर श्रीराम ने आपको हृदय से लगाया।

EVEN THE THOUSAND-HEADED SHESHNAAG SINGS YOUR GLORY; SO SAYING, LORD RAM EMBRACED YOU.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

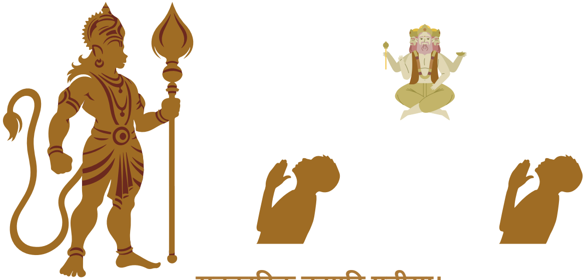

सनकादिक ब्रह्मादि मुनीसा।
नारद सारद सहित अहीसा॥
॥16॥

SANAKAADIK BRAHMAADI MUNEESA
NAARAD SAARAD SAHIT AHEESA

सनकादिक, ब्रह्मा, नारद, सरस्वती और शेषनाग सभी आपकी स्तुति करते हैं।

THE SAGES SANAK AND OTHERS, BRAHMA, NARAD, SARASWATI, AND SHESHNAAG ALL SING YOUR PRAISES.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

हनुमान

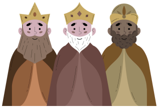

यम कुबेर दिगपाल जहाँ ते।
कवि कोविद कहि सके कहाँ ते॥
॥ 17 ॥

YAMA KUBER DIGPAAL JAHAN TE
KAVI KOVID KAHI SAKE KAHAN TE

यमराज, कुबेर और दिक्पाल भी आपकी महिमा का वर्णन नहीं कर सकते।
कवि और विद्वान भी आपकी पूरी महिमा नहीं बता सकते।

YAMA, KUBER, AND THE GUARDIANS OF DIRECTIONS CANNOT DESCRIBE YOUR GLORY; EVEN POETS AND SCHOLARS CANNOT FULLY EXPRESS IT.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा।
राम मिलाय राजपद दीन्हा॥
॥ 18 ॥

TUM UPKAAR SUGREEVAHIN KEENHAA
RAAM MILAAY RAJPAD DEENHAA

आपने सुग्रीव पर उपकार किया, उन्हें श्रीराम से मिलवाकर राजा का पद दिलवाया।

YOU DID A GREAT FAVOR TO SUGRIV BY INTRODUCING HIM TO LORD RAM AND MAKING HIM KING.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

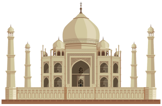

तुम्हरो मंत्र विभीषण माना।
लंकेश्वर भए सब जग जाना॥
॥ 19 ॥

TUMHRO MANTRA VIBHEESHAN MAANAA
LANKEESHWAR BHEYE SAB JAG JAANAA

विभीषण ने आपकी सलाह मानी और वे लंका के राजा बने, यह बात सब जगत जानता है।

VIBHISHAN FOLLOWED YOUR COUNSEL, AND HE BECAME THE KING OF LANKA — THE WHOLE WORLD KNOWS THIS.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

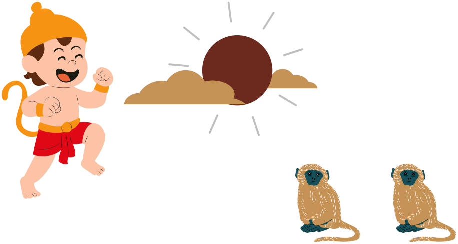

जुग सहस्र जोजन पर भानू।
लील्यो ताहि मधुर फल जानू॥
॥ 20 ॥

JUG SAHASRA YOJAN PAR BHANU
LEELYO TAAHI MADHUR PHAL JANU

सूर्य जो हजारों योजन दूर है, उसे आपने मीठा फल समझकर निगल लिया।

THE SUN, SITUATED THOUSANDS OF YOJANAS AWAY, YOU SWALLOWED, THINKING IT TO BE A SWEET FRUIT.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं।
जलधि लाँघि गये अचरज नाहीं॥
॥ 21 ॥

PRABHU MUDRIKA MELI MUKH MAAHIN
JALADHI LAANGHI GAYE ACHARAJ NAAHIN

आपने श्रीराम की अंगूठी मुँह में रखी और समुद्र को लाँघ गए — इसमें कोई आश्चर्य नहीं।

KEEPING LORD RAM’S RING IN YOUR MOUTH, YOU LEAPED ACROSS THE OCEAN — AND IT WAS NO WONDER.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

जय बजरंग बली

दुर्गम काज जगत के जेते।
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते॥
॥ 22 ॥

DURGAM KAAJ JAGAT KE JETE
SUGAM ANUGRAH TUMHARE TETE

जगत के जितने भी कठिन कार्य हैं, वे आपके अनुग्रह से सहज ही हो जाते हैं।

ALL THE DIFFICULT TASKS OF THE WORLD BECOME EASY BY YOUR GRACE.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

राम दुआरे तुम रखवारे।
होत न आज्ञा बिनु पैसारे॥
॥ 23 ॥

RAAM DUWAARE TUM RAKHWAARE
HOT NA AAJNYA BIN PAI-SAARE

आप श्रीराम के द्वार पर प्रहरी हैं। आपकी आज्ञा के बिना कोई प्रवेश नहीं पा सकता।

YOU ARE THE GUARDIAN AT LORD RAM’S DOOR;
WITHOUT YOUR PERMISSION, NO ONE CAN ENTER.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

सब सुख लहै तुम्हारी सरना।
तुम रक्षक काहू को डरना॥
॥ 24 ॥

SAB SUKH LAHE TUMHAARI SARNA
TUM RAKSHAK KAAHU KO DARNA

जो आपके शरणागत होता है, उसे सब सुख प्राप्त होते हैं। आपके रहते किसी को भय नहीं रहता।

WHOEVER TAKES REFUGE IN YOU GAINS HAPPINESS; WITH YOU AS PROTECTOR, NONE NEED TO FEAR.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

॥卐॥

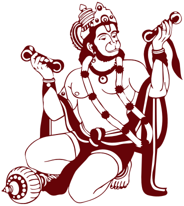

आपन तेज सम्हारो आपै।
तीनों लोक हाँक ते काँपै॥
॥ 25॥

AAPAN TEJ SAMHAARO AAPAI
TEENO LOK HANK TE KAAPAI

आप अपने ही तेज को स्वयं सँभाले रहते हैं; आपकी हुंकार से तीनों लोक काँपते हैं।

YOU RESTRAIN YOUR OWN BRILLIANCE; AT YOUR ROAR, ALL THREE WORLDS TREMBLE.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

|| 卐 ||

भूत पिशाच निकट नहिं आवै।
महाबीर जब नाम सुनावै॥
॥ 26 ॥

BHOOT PISHAACH NIKAT NAHIN AAVAI
MAHABEER JAB NAAM SUNAAVAI

जहाँ महाबीर हनुमानजी का नाम लिया जाता है, वहाँ भूत-पिशाच पास नहीं आते।

WHERE THE NAME OF MIGHTY HANUMAN IS SPOKEN, GHOSTS AND EVIL SPIRITS DARE NOT APPROACH.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

॥ 卐 ॥

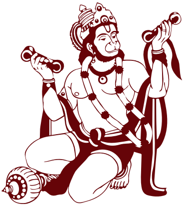

नासै रोग हरै सब पीरा।
जपत निरंतर हनुमत बीरा॥
॥ 27 ॥

NAASAI ROG HARAI SAB PEERAA
JAPAT NIRANTAR HANUMAT BEERAA

वीर हनुमानजी का निरंतर जप करने से रोग नष्ट हो जाते हैं और सब पीड़ाएँ दूर हो जाती हैं।

BY CONSTANTLY CHANTING HANUMAN’S NAME, DISEASES VANISH AND ALL SUFFERING IS REMOVED.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

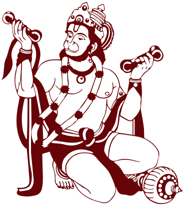

संकट ते हनुमान छुड़ावै।
मन क्रम बचन ध्यान जो लावै॥
॥ 28 ॥

SANKAT TE HANUMAAN CHHUDHAAVAI
MAN KRAM BACHAN DHYAAN JO LAAVAI

जो मन, वचन और कर्म से हनुमानजी का ध्यान करता है, वे सभी संकटों से मुक्त हो जाते हैं।

WHOEVER MEDITATES ON HANUMAN IN THOUGHT, WORD, AND DEED IS FREED FROM ALL TROUBLES.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

|| 卐 || 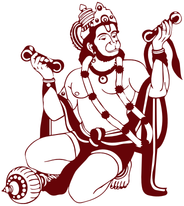 || 卐 ||

सब पर राम तपस्वी राजा।
तिन के काज सकल तुम साजा॥
॥ 29 ॥

SAB PAR RAAM TAPASWI RAAJAA
TIN KE KAAJ SAKAL TUM SAAJAA

तपस्वी राज श्रीराम सबके स्वामी हैं और उनके सभी कार्य आप संपन्न करते हैं।

LORD RAM, THE ASCETIC KING, IS MASTER OF ALL, AND YOU COMPLETE ALL HIS TASKS.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

|| 卐 ||

|| 卐 ||

और मनोरथ जो कोई लावै।
सोई अमित जीवन फल पावै॥
॥ 30॥

AUR MANORATH JO KOI LAAVAI
SOI AMIT JEEWAN PHAL PAAVAI

जो कोई भी अपनी इच्छा लेकर आपकी शरण आता है, उसे अनंत जीवन-फल प्राप्त होता है।

WHOEVER COMES TO YOU WITH DESIRES GAINS BOUNDLESS FRUITS IN LIFE.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

॥ 卐 ॥ ॥ 卐 ॥

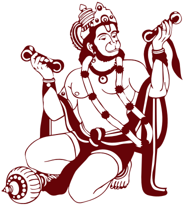

चारों जुग परताप तुम्हारा।
है परसिद्ध जगत उजियारा॥
॥ 31॥

CHAARO JUG PARATAAP TUMHAARA
HAI PARASIDDHA JAGAT UJIYAARA

आपके पराक्रम की महिमा चारों युगों में प्रसिद्ध है और आपका प्रकाश पूरे जगत में फैला है।

YOUR GLORY IS RENOWNED IN ALL FOUR AGES, AND YOUR RADIANCE ILLUMINATES THE ENTIRE WORLD.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

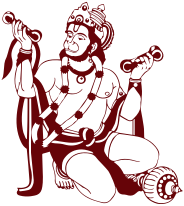

॥ 卐 ॥ ॥ 卐 ॥

साधु संत के तुम रखवारे।
असुर निकंदन राम दुलारे॥
॥ 32 ॥

SAADHU SANT KE TUM RAKHWAARE
ASUR NIKANDAN RAAM DULAARE

आप साधु-संतों के रक्षक और असुरों का संहार करने वाले, राम के प्रिय हैं।

YOU ARE THE PROTECTOR OF SAINTS AND SAGES, THE DESTROYER OF DEMONS, AND BELOVED OF LORD RAM.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

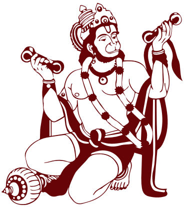

अष्टसिद्धि नव निधि के दाता।
अस बर दीन जानकी माता॥
॥ 33 ॥

ASHTA SIDDHI NAVA NIDHI KE DAATA
AS VAR DEEN JAANAKI MAATA

माता जानकी ने आपको यह वरदान दिया है कि आप आठों सिद्धियाँ और नौ प्रकार की निधियाँ देने वाले हैं।

MOTHER SITA GRANTED YOU THE BOON OF BESTOWING THE EIGHT PERFECTIONS AND THE NINE TREASURES.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

|| 卐 ||

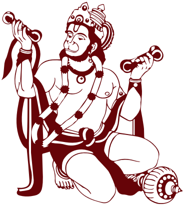

|| 卐 ||

राम रसायन तुम्हरे पासा।
सदा रहो रघुपति के दासा॥
॥ 34 ॥

RAAM RASAYAN TUMHARE PAASA
SADAA RAHO RAGHUPATI KE DAASA

आपके पास राम-भक्ति का अमृत है, और आप सदा श्रीराम के दास बने रहते हैं।

YOU POSSESS THE NECTAR OF DEVOTION TO LORD RAM AND ALWAYS REMAIN HIS DEVOTED SERVANT.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

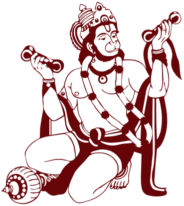

तुम्हरे भजन राम को पावै।
जनम जनम के दुख बिसरावै॥
॥ 35॥

TUMHARE BHAJAN RAAM KO PAAVAI
JANAM JANAM KE DUKH BISRAAVAI

आपके भजन से श्रीराम प्राप्त होते हैं और जन्म-जन्म के दुख मिट जाते हैं।

THROUGH DEVOTION TO YOU, ONE ATTAINS LORD RAM AND IS FREED FROM SORROWS OF MANY LIFETIMES.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

|| 卐 ||

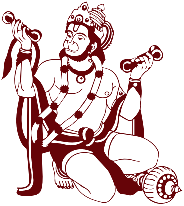

|| 卐 ||

अन्तकाल रघुबर पुर जाई।
जहाँ जन्म हरिभक्त कहाई॥
॥ 36 ॥

ANTAKAAL RAGHUBAR PUR JAAI
JAHAA JANMA HARIBHAKTA KAHAI

मृत्यु के समय भक्त श्रीराम के धाम को प्राप्त करता है और हर जन्म में हरिभक्त कहलाता है।

AT LIFE’S END, DEVOTEES REACH RAM’S ABODE AND ARE REBORN AS HIS DEVOTEES.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

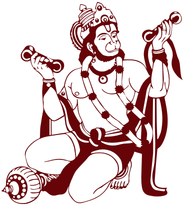

और देवता चित्त न धरई।
हनुमत सेइ सर्ब सुख करई॥
॥ 37॥

AUR DEVATA CHITTA NA DHARAI
HANUMAT SEI SARBA SUKH KARAI

अन्य देवताओं में चित्त लगाने की आवश्यकता नहीं; केवल हनुमानजी की सेवा से सब सुख प्राप्त होते हैं।

ONE NEED NOT FOCUS ON OTHER DEITIES; BY SERVING HANUMAN, ALL HAPPINESS IS ATTAINED.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

संकट कटै मिटै सब पीरा।
जो सुमिरै हनुमत बलबीरा॥
॥ 38॥

SANKAT KATAI MITAI SAB PEERAA
JO SUMIRAI HANUMAT BALABEERAA

जो बलवीर हनुमान का स्मरण करता है, उसके संकट कट जाते हैं और सभी पीड़ाएँ मिट जाती हैं।

WHOEVER REMEMBERS MIGHTY HANUMAN IS FREED FROM TROUBLES AND SORROWS VANISH.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

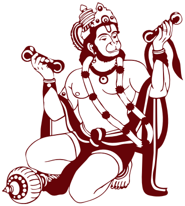

जय जय जय हनुमान गोसाईं।
कृपा करहु गुरु देव की नाईं॥
॥ 39 ॥

JAI JAI JAI HANUMAAN GOSAAYEE
KRIPAA KARAHU GURU DEV KI NAAEE

हनुमान गोसाईं की जय-जय हो! कृपया गुरु की भाँति अपनी कृपा कीजिए।

GLORY, GLORY, GLORY TO YOU, O HANUMAN!
KINDLY BLESS ME AS A REVERED TEACHER WOULD.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

|| 卐 ||

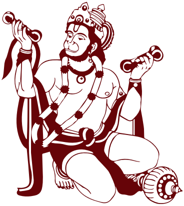

|| 卐 ||

जो शत बार पाठ कर कोई।
छूटहि बंदि महा सुख होई॥
॥ 40 ॥

JO SHATA BAAR PAATH KAR KOI
CHOOTAHI BANDI MAHAA SUKH HOI

जो कोई इसका सौ बार पाठ करता है, वह बंधनों से मुक्त हो महान सुख प्राप्त करता है।

WHOEVER RECITES THIS A HUNDRED TIMES IS RELEASED FROM BONDAGE AND GAINS IMMENSE HAPPINESS.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

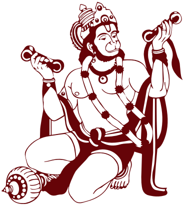

समापन चौपाई

जो यह पढ़ै हनुमान चालीसा।
होय सिद्धि साखी गौरीसा॥

JO YAH PADHAI HANUMAAN CHAALISAA
HOYE SIDDHI SAAKHI GAURISAA

जो कोई हनुमान चालीसा का पाठ करता है, उसकी सिद्धि होती है, इसके साक्षी शंकरजी हैं।

WHOEVER RECITES THE HANUMAN CHALISA ACHIEVES SUCCESS, AS WITNESSED BY LORD SHIVA.

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com

|| 卐 ||

© 2025 RAJKUMARI DIGITAL EDITION

ALL RIGHTS RESERVED.

THIS EDITION OF 'SHRI HANUMAN CHALISA' HAS BEEN SPECIALLY DESIGNED, TRANSLATED, AND FORMATTED BY RAJKUMARI ONLINE SERVICES.

THE ORIGINAL HANUMAN CHALISA TEXT IS A TRADITIONAL COMPOSITION AND BELONGS TO THE PUBLIC DOMAIN.

HOWEVER, THE DESIGN, FORMATTING, BILINGUAL TRANSLATION (HINDI & ENGLISH MEANINGS), AND PRESENTATION OF THIS EDITION ARE THE INTELLECTUAL PROPERTY OF RAJKUMARI ONLINE SERVICES.

NO PART OF THIS PUBLICATION MAY BE REPRODUCED, STORED IN A RETRIEVAL SYSTEM, OR TRANSMITTED IN ANY FORM OR BY ANY MEANS — ELECTRONIC, MECHANICAL, PHOTOCOPYING, RECORDING, OR OTHERWISE — WITHOUT PRIOR WRITTEN PERMISSION FROM THE PUBLISHER, EXCEPT FOR BRIEF QUOTATIONS USED IN REVIEWS OR ACADEMIC REFERENCES.

FOR PERMISSIONS,
CONTACT: INFO@RAJKUMARIDIGITAL.COM
RAJKUMARI ONLINE SERVICES, INDORE (M.P.)

More Free E-Books Available! Visit us at www.rajkumaridigital.com